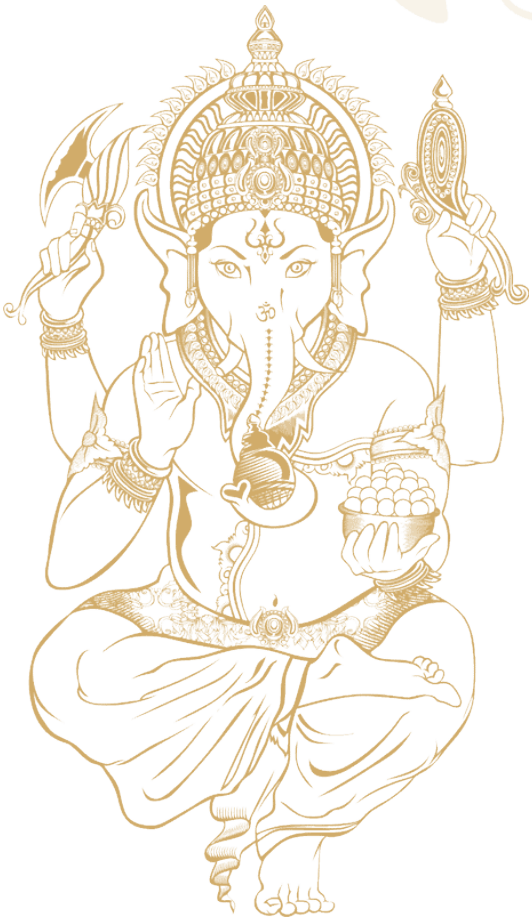

# Gaurav

# Gaurisha Bhavsar

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119141601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119141601 Date: 18/08/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 27/05/1997 | जन्म तिथि | 4-05/05/1999 |
| मंगलवार | दिन | मंगल-बुधवार |
| घंटे 16:05:00 | जन्म समय | 03:01:00 घंटे |
| घटी 25:32:53 | जन्म समय(घटी) | 52:29:29 घटी |
| India | देश | India |
| Sakri | स्थान | Malegaon Nasik |
| 20:59:00 उत्तर | अक्षांश | 20:32:00 उत्तर |
| 74:19:00 पूर्व | रेखांश | 74:38:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:32:44 | स्थानिक संस्कार | -00:31:28 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:51:50 | सूर्योदय | 06:00:32 |
| 19:07:42 | सूर्यास्त | 18:56:25 |
| 23:49:13 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:39 |
| तुला | लग्न | कुम्भ |
| शुक्र | लग्न लग्नाधिपति | शनि |
| मकर | राशि | धनु |
| शनि | राशि-स्वामी | गुरु |
| श्रवण | नक्षत्र | मूल |
| चन्द्र | नक्षत्र स्वामी | केतु |
| 3 | चरण | 3 |
| ब्रह्म | योग | सिद्ध |
| गर | करण | बालव |
| खे-खेमचन्द | जन्म नामाक्षर | भा-भावना |
| मिथुन | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृष |
| वैश्य | वर्ण | क्षत्रिय |
| जलचर | वश्य | मानव |
| वानर | योनि | श्वान |
| देव | गण | राक्षस |
| अन्त्य | नाड़ी | आद्य |
| मार्जार | वर्ग | मूषक |

**SHRI GANESH JYOTISH KARYALAY**
E Sector,3088 Sudama Nagar,Indore MP
8962726712
panditprakashjoshi_09@yahoo.com

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चन्द्र 4वर्ष 4मा 15दि | | 02:15:35 | तुला | लग्न | कुंभ | 22:49:01 | केतु 3वर्ष 5मा 2दि | |
| राहु | | 12:21:17 | वृष | सूर्य | मेष | 20:07:35 | सूर्य | |
| 12/10/2008 | | 17:29:51 | मक | चंद्र | धनु | 06:48:45 | 06/10/2022 | |
| 12/10/2026 | | 27:41:30 | सिंह | मंगल व | तुला | 06:30:19 | 06/10/2028 | |
| राहु | 25/06/2011 | 17:43:34 | मेष | बुध | मीन | 29:19:09 | सूर्य | 24/01/2023 |
| गुरु | 17/11/2013 | 27:49:37 | मक | गुरु | मीन | 25:14:08 | चन्द्र | 25/07/2023 |
| शनि | 23/09/2016 | 26:42:19 | वृष | शुक्र | मिथु | 01:54:23 | मंगल | 30/11/2023 |
| बुध | 13/04/2019 | 23:04:38 | मीन | शनि | मेष | 13:51:29 | राहु | 24/10/2024 |
| केतु | 30/04/2020 | 02:06:37 | कन्या व | राहु व | कर्क | 23:44:11 | गुरु | 12/08/2025 |
| शुक्र | 01/05/2023 | 02:06:37 | मीन व | केतु व | मक | 23:44:11 | शनि | 25/07/2026 |
| सूर्य | 25/03/2024 | 14:46:16 | मक व | हर्ष | मक | 22:49:45 | बुध | 31/05/2027 |
| चन्द्र | 24/09/2025 | 05:58:00 | मक व | नेप | मक | 10:31:23 | केतु | 06/10/2027 |
| मंगल | 12/10/2026 | 10:21:19 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 15:58:00 | शुक्र | 06/10/2028 |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:49:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:39**

## लग्न-चलित

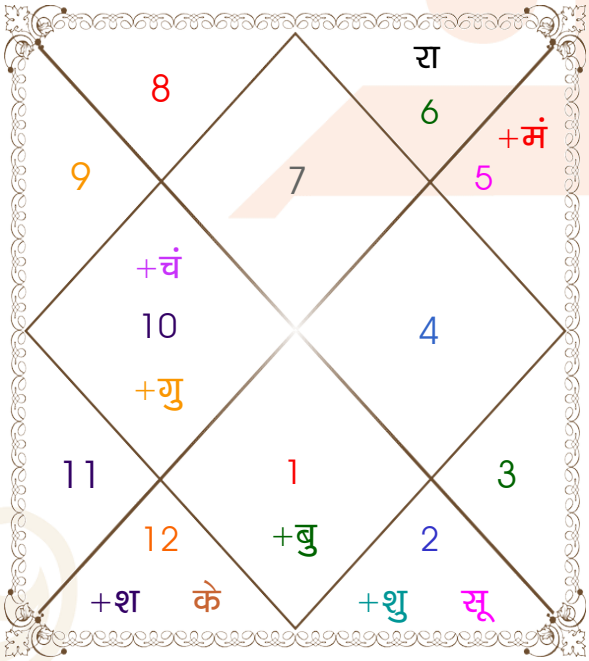


## लग्न-चलित

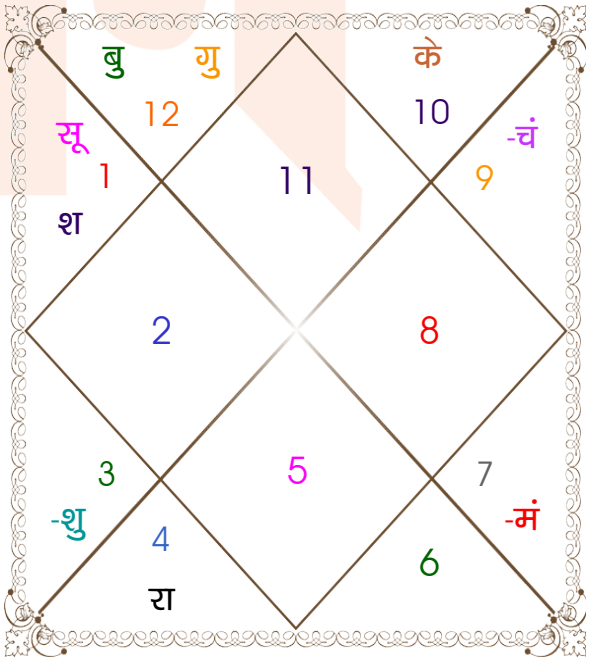



**SHRI GANESH JYOTISH KARYALAY**
E Sector,3088 Sudama Nagar,Indore MP
8962726712
panditprakashjoshi_09@yahoo.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | क्षत्रिय | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | श्वान | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | गुरु | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | राक्षस | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | धनु | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 16.50 | | |

कुल : **16.5 / 36**

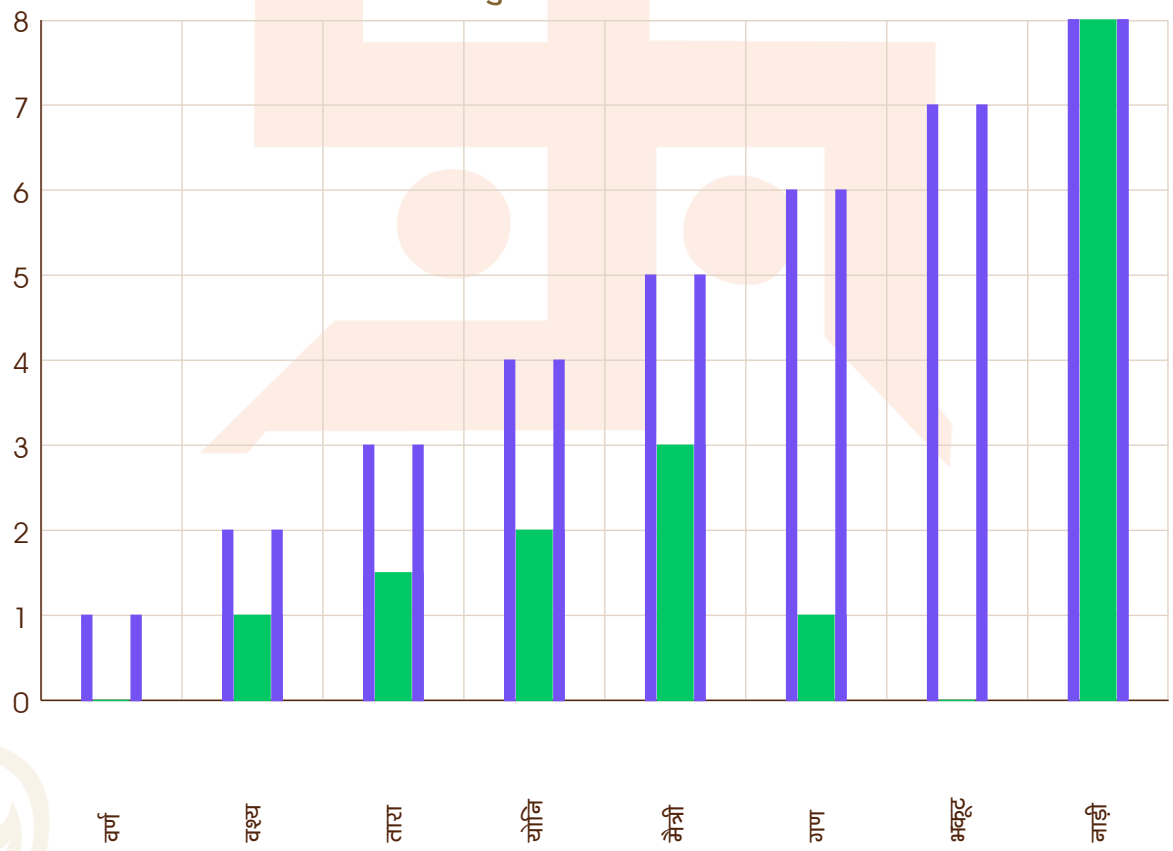


**SHRI GANESH JYOTISH KARYALAY**
E Sector,3088 Sudama Nagar,Indore MP
8962726712
panditprakashjoshi_09@yahoo.com

# अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ळंनतंअ  का वर्ग मार्जार है तथा Gaurisha Bhavsar का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतंअ  और Gaurisha Bhavsar का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

ळंनतंअ  मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Gaurisha Bhavsar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ळंनतंअ  तथा Gaurisha Bhavsar में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

ळंनतंअ  का वर्ण वैश्य है तथा Gaurisha Bhavsar का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Gaurisha Bhavsar का वर्ण ळंनतंअ  के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Gaurisha Bhavsar अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Gaurisha Bhavsar को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

## वश्य

ळंनतंअ  का वश्य जलचर है एवं Gaurisha Bhavsar का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Gaurisha Bhavsar अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि ळंनतंअ  उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

## तारा

ळंनतंअ  की तारा क्षेम तथा Gaurisha Bhavsar की तारा वध है। Gaurisha Bhavsar की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह ळंनतंअ  एवं Gaurisha Bhavsar दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Gaurisha Bhavsar अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

## योनि

ळंनतंअ  की योनि वानर है तथा Gaurisha Bhavsar की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी

रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळंनतंअ एवं Gaurisha Bhavsar दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

## गण

ळंनतंअ का गण देव तथा Gaurisha Bhavsar का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Gaurisha Bhavsar निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Gaurisha Bhavsar की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

## भकूट

ळंनतंअ से Gaurisha Bhavsar की राशि द्वादश भाव में स्थित है Gaurisha Bhavsar से ळंनतंअ की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में ळंनतंअ परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने

वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Gaurisha Bhavsar का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Gaurisha Bhavsar की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Gaurisha Bhavsar तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

## नाड़ी

ळंनतंअ की नाड़ी अन्त्य है तथा Gaurisha Bhavsar की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। ळंनतंअ की अन्त्य नाड़ी तथा Gaurisha Bhavsar की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

ळंनतंअ की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा Gaurisha Bhavsar की राशि अग्नितत्व युक्त धनुराशि है। पृथ्वी एवं अग्नि में नैसिर्गक विषमता होने के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन परेशानी से युक्त रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

ळंनतंअ की राशि का स्वामी शनि तथा Gaurisha Bhavsar की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar दोनों के वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने को तत्पर रहेंगे। ये दोनों परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सतमित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होगी।

ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में स्थित हैं शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभफलों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग के स्थान पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव उत्पन होगा जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन में भी न्यूनता रहेगी तथा सुखद क्षणों का अभाव रहेगा। यदि ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar बुद्धिमता एवं सामंजस्य से काम ले तो इनमें किंचित शुभता आ सकती है।

ळंनतंअ का वश्य जलचर तथा Gaurisha Bhavsar का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी असमानता होगी। अतः कामसंबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। जिससे दाम्पत्य संबंधों में कटुता रहेगी।

ळंनतंअ का वर्ण वैश्य तथा Gaurisha Bhavsar का वर्ण क्षत्रिय है। अतः ळंनतंअ की प्रवृति धनार्जन में होगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Gaurisha Bhavsar प्रायः परिश्रमी कार्यो को संपन्न करेगी फलतः कार्यक्षेत्र में असमानता के कारण यदा कदा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

## धन

ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी

लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से ळंनतंअ की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि ळंनतंअ को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

## स्वास्थ्य

ळंनतंअ की नाड़ी अन्त्य तथा Gaurisha Bhavsar की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Gaurisha Bhavsar के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Gaurisha Bhavsar को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Gaurisha Bhavsar को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ळंनतंअ और Gaurisha Bhavsar का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Gaurisha Bhavsar के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर

सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी Gaurisha Bhavsar को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Gaurisha Bhavsar को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Gaurisha Bhavsar के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से Gaurisha Bhavsar सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

## ससुराल-श्री

ळंनतंअ  की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ळंनतंअ सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ळंनतंअ  ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ळंनतंअ  के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।